https://www.rajasthanboard.com

इस प्रश्न-पत्र में 29 प्रश्न [खण्ड 'क' (21) + खण्ड 'ख' (4) + खण्ड 'ग' (4)] तथा 7 मुद्रित पृष्ठ हैं ।

यहाँ से काटिए

Roll No.
अनुक्रमांक

Code No. : OS/21/SS/301
कोड नं.

Sl.No.:

HINDI
हिन्दी
(301)

प्रश्न पुस्तिका को खोलने के लिए यहाँ फाड़

Day and Date of Examination : _____
(परीक्षा का दिन व दिनांक)

Signature of Invigilators : 1. _____ _____
(निरीक्षकों के हस्ताक्षर) 2. _____ _____

सामान्य अनुदेश :

1) परीक्षार्थी प्रश्न-पत्र के पहले पृष्ठ पर अपना अनुक्रमांक अवश्य लिखें ।

2) कृपया प्रश्न-पत्र को जाँच लें कि पत्र के कुल पृष्ठों तथा प्रश्नों की उतनी ही संख्या है जितनी प्रथम पृष्ठ के सबसे ऊपर छपी है । इस बात की जाँच भी कर लें कि प्रश्न क्रमिक रूप में है ।

3) उत्तर-पुस्तिका में पहचान-चिह्न बनाने अथवा निर्दिष्ट स्थानों के अतिरिक्त कहीं भी अनुक्रमांक लिखने पर परीक्षार्थी को अयोग्य ठहराया जायेगा ।

यहाँ से काटिए

https://www.rajasthanboard.com

https://www.rajasthanboard.com

खण्ड 'क'

क) निम्नलिखित काव्यांश की सप्रसंग व्याख्या कीजिए: [1+3=4]

नरहरि? चंचल है मति मेरी,
कैसे भगति करूँ मैं तेरी ।।
तूँ मोंहि देखै, हौं तोहि देखूँ, प्रीति परस्पर होई ।
तूँ मोहि देखै, तोहि न देखूँ, यह मति सब बुधि खोई ।।
सब घट अंतर रमसि निरंतर, मैं देखन नहिं जाना ।
गुन सब तोर, मोर सब औगुन, कृत उपकार न माना ।।
मैं, तैं, तोरि–मोरि असमझि सौं, कैसे करि निस्तारा ।

अथवा

बिधि न सकेउ सहि मोर दुलारा । नीच बीचु जननी मिस पारा । [1+3=4]
यहउ कहत मोहि आजु न सोभा । अपनी समुझि साधु सुचि को भा ।।
मातु मंदि मैं साधु सुचाली । उर अस आनत कोटि कुचाली ।
फरइ कि कोदव बाली सुसाली । मुकता प्रसव कि संबुक काली ।।
सपनेहुँ दोस कलेस न काहू । मोर अभाग उदधि अवगाहू ।
बिनु समुझें निज अध परिपाकू । जारिउँ जायँ जननि कहि काकू ।।

ख) निम्नलिखित पंक्तियों का भाव–सौन्दर्य व शिल्प–सौन्दर्य लिखिए: [1+1=2]

सघन कुँज–हटाया सुखद, सीतल सुरभि समीर ।
मनु ह्वै जात अजौं वहै, वा जमुना के तीर ।।

2) निम्नलिखित में से किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर लगभग 40 शब्दों में लिखिए– [2+2=4]

क) "औरै भाँति बिहग–समाज में आवाज होति"–इस पंक्ति के आधार पर वसंत ऋतु में पक्षियों पर पड़ने वाले प्रभाव को लिखिए । [2]

ख) "मौन मधु हो जाय", पंक्ति का आशय समझाइए । [2]

ग) "विस्तृत नभ का कोई कोना, मेरा न कभी अपना होना," बदली ने ऐसा क्यों कहा है? [2]

3) सूर्यकांत त्रिपाठी 'निराला' की कविता 'वह तोड़ती पत्थर' का केन्द्रीय भाव लगभग 40 शब्दों में लिखिए । [2]

4) आदिकाल के अन्य नामों को लिखिए । आदिकाल के प्रमुख दो रचनाकार और उनकी एक–एक रचना का नाम भी लिखिए । [1+½+½=2]

5) निम्नलिखित काव्य–पंक्तियों में आए हुए अलंकार एवं छंद लिखिए:– [1+1=2]

जो रहीम गति दीप की, कुल कपूत गति सोय ।
बारे उजियारो लगै, बढ़ै अँधेरो होय ।।

https://www.rajasthanboard.com

https://www.rajasthanboard.com

6) निम्नलिखित पठित गद्यांश की सप्रसंग व्याख्या कीजिए: [1+3=4]

क) जो समझता है कि वह दूसरों का उपकार कर रहा है, वह अबोध है, जो समझता है कि दूसरे उपकार कर रहे हैं, वह बुद्धिहीन है कौन किसका उपकार करता है, कौन किसका अपकार कर रहा है? मनुष्य जी रहा है, केवल जी रहा है, अपनी इच्छा से नहीं, इतिहास–विधाता की योजना के अनुसार। किसी को उससे सुख मिल जाये, बहुत अच्छी बात है; नहीं मिल सका, कोई बात नहीं; परन्तु उसे अभिमान नहीं होना चाहिए। सुख पहुँचाने का अभिमान नहीं होना चाहिए।

अथवा

आज जैसा माहौल हो गया है उसमें किताब की बात करना सचमुच बहुत फालतु अप्रासंगिक और हास्यास्पद–सा लगने लगा है–लगता है जैसे आप भैंस के आगे बीन बजा रहे हों। मगर इस सच्चाई को हम कैसे नजरंदाज़ कर दें कि दुनिया के सशक्ततम राष्ट्र वे ही हैं, जिनके लिए किताबों से जुड़े लोग सबसे महत्वपूर्ण रहे हैं। फ्रांस, इंग्लैंड, अमेरिका और रूस–वर्ना समृद्धि तो अरब के शेखों से ज्यादा किसके पास है?

ख) अपनी पाठ्य–पुस्तक के आधार पर लेखक कन्हैयालाल मिश्र प्रभाकर अथवा पंकज कुमार की भाषा–शैली की विशेषताएँ सोदाहरण लिखिए। [2]

7) निम्नलिखित में से किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर प्रत्येक लगभग 40 शब्दों में लिखिए :– [2+2=4]

क) हिन्दी गद्य (गद्य) की भावात्मक शैली से क्या तात्पर्य है? 'गद्य कैसे पढ़ें' अध्याय के आधार पर लिखिए। [2]

ख) तरूणों को देवताओं की कौनसी बात स्वीकार नहीं थी? 'पीढ़ियाँ और गिट्टियाँ' अध्याय के आधार पर समझाइए'। [2]

ग) क्रोध को शांति भंग करने वाला मनोविकार क्यों माना गया है? 'क्रोध' अध्याय के आधार पर लिखिए। [2]

8) प्रो. कैलाशचंद्र भाटिया ने मन को मस्तिष्क से अलग क्यों बताया है? (उत्तर सीमा लगभग 40 शब्द) [2]

9) निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर प्रत्येक लगभग 50 शब्दों में दीजिए:– [3+3=6]

क) "आदमी क्या नहीं कर सकता?" बादल ने ऐसा क्यों कहा? 'क्या नहीं कर सकता?' लघु कथा के आधार पर स्पष्ट कीजिए। [3]

ख) 'विराटा की पद्मिनी' उपन्यास में कौनसा वीर पात्र आपको सबसे अधिक प्रभावित करता है और क्यों? [3]

अथवा

'विराटा की पद्मिनी' उपन्यास की संवाद योजना का विश्लेषण कीजिए। [3]

10) कुंजरसिंह ने मंदिर की रक्षा के लिए क्या कार्य किया? [1]

11) वृंदावन लाल वर्मा जी के कोई दो शौक लिखिए। [1]

https://www.rajasthanboard.com

https://www.rajasthanboard.com

12) निम्नलिखित अपठित काव्यांश को पढ़कर पूछे गये प्रश्नों के उत्तर दीजिए : (उत्तर सीमा 20 शब्द प्रत्येक प्रश्न) [5×1=5]

तोड़ो तोड़ो तोड़ो
ये पत्थर ये चट्टानें
ये झूठे बंधन टूटें
तो धरती को हम जानें
सुनते हैं मिट्टी में रस है जिससे उगती दूब है
अपने मन के मैदानों पर व्यापी कैसी ऊब है
आधे आधे गाने
तोड़ो तोड़ो तोड़ो
ये ऊसर बंजर तोड़ो
ये चरती–परती तोड़ो
सब खेत बनाकर छोड़ो

i) काव्यांश का उचित शीर्षक लिखिए। [1]
ii) कवि किस प्रकार के बंधनों को तोड़ना चाहता है? [1]
iii) दूब किस प्रकार उगती है? [1]
iv) मन की ऊब का क्या प्रभाव पड़ता है? [1]
v) 'धरती' शब्द के दो पर्यायवाची शब्द लिखिए। [½+½=1]

13) निम्नलिखित अपठित गद्यांश को पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर लिखिए: [11×1=11]

एक ही प्रकार की भीरूता ऐसी दिखाई पड़ती है जिसकी प्रशंसा होती है। वहाँ धर्म–भीरूता है। पर हम तो उसे भी कोई बड़ी प्रशंसा की बात नहीं समझते। धर्म से डरने वालों की अपेक्षा धर्म की ओर आकर्षित होने वाले हमें अधिक धन्य जान पड़ते हैं। जो किसी बुराई से यही समझकर पीछे हटते हैं कि उसके करने से अधर्म होगा, उसकी अपेक्षा वे कहीं श्रेष्ठ हैं जिन्हें बुराई अच्छी ही नहीं लगती। दु:ख या आपत्ति का पूर्ण निश्चय न रहने पर उसकी संभावना–मात्र के अनुमान से जो आवेग–शून्य भय होता है, उसे आशंका कहते हैं। उसमें वैसी आकुलता नहीं होती। उसका संचार कुछ धीमा पर अधिक काल तक रहता है। घने जंगल से जाता हुआ यात्री चाहे रास्ते भर इस आशंका में रहे कि कहीं चीता मिल जाए, पर वह बराबर चला चल सकता है। यदि उसे असली भय हो जाएगा तो वह या तो लौट जाएगा अथवा एक पैर आगे न रखेगा। दुखात्मक भावों में आशंका की वही स्थिति समझनी चाहिए जो सुखात्मक भावों में आशा की। अपने द्वारा कोई भयंकर काम किए जाने की कल्पना या भावना–मात्र से भी क्षणिक स्तम्भ के रुप में इस प्रकार के भय का अनुभव होता है।

i) गद्यांश का उचित शीर्षक लिखिए। [1]
ii) गद्यांश का मूल भाव लिखिए। [1]
iii) कौनसी भीरूता की प्रशंसा होती है? [1]
iv) किन्हें श्रेष्ठ बताया गया है? [1]
v) आवेग–शून्य भय को क्या कहते हैं? [1]
vi) आशंका और आशा को किस प्रकार के भाव बताया गया है? [1]

https://www.rajasthanboard.com

https://www.rajasthanboard.com

vii) 'जंगल' के दो पर्यायवाची शब्द लिखिए। [½+½=1]

viii) निम्नलिखित शब्दों में से उपसर्ग एवं प्रत्यय छाँटकर लिखिए– [½+½=1]

अ) उपसर्ग – आशंका ब) प्रत्यय – आकर्षित

ix) निम्नांकित शब्दों के अर्थ लिखिए: [½+½=1]

अ) क्षणिक ब) श्रेष्ठ

x) 'आशा' शब्द का विलोम शब्द लिखिए। [1]

xi) उपर्युक्त गद्यांश में से छाँटकर दो तत्सम शब्द लिखिए। [½+½=1]

14) निम्नांकित प्रश्नों के उत्तर लिखिए:– [5×1=5]

क) निम्नलिखित वाक्य में उचित विराम चिह्न लगाकर पुन: लिखिए – [1]

सफलता पाने के लिए दिन रात एक करना पड़ता है

ख) निम्नलिखित अशुद्ध वाक्यों को शुद्ध करके पुन: लिखिए:– [½+½=1]

i) शायद वह जरूर आएगा। ii) वह आम को खा रहा है।

ग) मिश्र एवं संयुक्त वाक्य का एक–एक उदाहरण दीजिए। [½+½=1]

घ) निम्नलिखित अशुद्ध शब्दों का शुद्ध रूप लिखिए:– [½+½=1]

i) उतीर्ण ii) सगटन

ङ) 'अमृत राहु के द्वारा पिया गया' वाक्य किस प्रकार के वाच्य का उदाहरण है? [1]

15) 'कोविड–19' विषय पर विद्यार्थी–जागरूकता अभियान के लिए आयोजित कार्यक्रम का एक प्रतिवेदन लिखिए जिसमें इसकी आवश्यकता प्रयास एवं परिणामों का वर्णन हो। https://www.rajasthanboard.com

अथवा

निम्नलिखित गद्यांश का एक तिहाई शब्दों में सार लिखिए:– [4]

पुस्तक ज्ञान का भंडार होती है। इससे हमें जो लाभ मिलते हैं, वे अन्य किसी वस्तु से नहीं मिलते। इसमें समाज पर प्रभाव डालने की अद्‌भुत क्षमता होती है। वास्तव में यह एकमात्र सहज और सुलभ आधार है जिससे कोई भी व्यक्ति अत्यधिक ज्ञान प्राप्त कर सकता है। पुस्तक में एक ऐसी शक्ति है कि वह सारे देश की जनता में जागृति का मंत्र फूंक दे, संत्रस्त मानवता में अपूर्व साहस और बल का संचार कर दे।

16) निम्नलिखित में से किसी एक विषय पर लगभग 300 शब्दों में निबन्ध लिखिए:– [8]

i) अहिंसा दूत–महात्मा गांधी ii) यदि मैं डॉक्टर होता

iii) आतंकवाद: एक वैश्विक समस्या iv) युवा शक्ति और राष्ट्र निर्माण

v) सड़क–सुरक्षा

17) निम्नलिखित में से किसी एक पंक्ति का भाव पल्लवन कीजिए:– [3]

i) स्वाधीनता हमारा जन्मसिद्ध अधिकार है।

ii) मनुष्य वही है जो मनुष्य के लिए मरे।

18) प्रतिवेदन का सामान्य अर्थ क्या है? प्रतिवेदन के मुख्य तत्वों को भी स्पष्ट कीजिए। [1+2=3]

अथवा

टिप्पण लेखन के मुख्यत: कितने प्रकार होते हैं? टिप्पण लिखते समय किन बातों का ध्यान रखना चाहिए? [1+2=3]

https://www.rajasthanboard.com

https://www.rajasthanboard.com

19) 'रोटरी सेवा संस्थान' के संयोजन में आयोजित 'एड्स–जागरूकता शिविर' का एक प्रारूप लिखिए। [4]

20) अपने विद्यालय में बनाए गए 'सब्ज़ी–बगीचे' (किचन गार्डन) का चित्रण लगभग 40 शब्दों में कीजिए। [2]

21) 'पवन–ऊर्जा: नई संभावना' विषय पर एक परियोजना का निर्माण लगभग 80 शब्दों में कीजिए। [4]

खण्ड 'ख'

22) निम्नलिखित पारिभाषिक शब्दों में से किन्हीं दो के अर्थ लिखिए:– [½+½=1]

i) टेलीप्रिंटर ii) मेमोरी iii) फ्लापी

23) क) संचार माध्यमों के प्रमुख उद्देश्यों का नाम लिखते हुए किसी एक उद्देश्य की दो विशेषताएँ लिखिए। (उत्तर सीमा लगभग 40 शब्द) [1+1=2]

ख) 'इलेक्ट्रानिक मीडिया में कम्प्यूटर का योगदान' संक्षेप में लिखिए। (उत्तर सीमा लगभग 40 शब्द) [2]

24) सूचना प्रौद्योगिकी के किन्हीं दो लाभों का वर्णन कीजिए। (उत्तरसीमा लगभग 80 शब्द) [2+2=4]

अथवा

संचार की प्रक्रिया को स्पष्ट कीजिए। (उत्तर सीमा लगभग 80 शब्द) [4]

अथवा

संचार माध्यम के 4 प्रमुख अवयवों का नाम लिखते हुए किन्हीं दो अवयवों का विश्लेषण कीजिए। [1+1½+1½=4]

25) क) रेडियो व दूरदर्शन की भाषा का विश्लेषण कीजिए। (उत्तर सीमा लगभग 60 शब्द) [1½+1½=3]

ख) यूनाइटेड न्यूज ऑफ इंडिया तथा प्रेस ट्रस्ट ऑफ इंडिया को स्पष्ट कीजिए। (उत्तर सीमा लगभग 60 शब्द) [1½+1½=3]

खण्ड 'ग'

22) निम्नलिखित पारिभाषिक शब्दों में से किन्हीं दो के अर्थ लिखिए:– [½+½=1]

i) इनेमल ii) गीगाबाइट iii) माउस

23) क) यात्रा प्रारम्भ करते समय किसी के छींक देने से अनिष्ट की आशंका वाले अंधविश्वास का वैज्ञानिक निराकरण कीजिए। (उत्तर सीमा लगभग 40 शब्द) [2]

ख) 'चरक संहिता' का संक्षेप में वर्णन कीजिए। (उत्तर सीमा लगभग 40 शब्द) [2]

24) 'सूर्य का न तो उदय होता है; ना ही अस्त', इस वैज्ञानिक तथ्य को एक उदाहरण द्वारा स्पष्ट कीजिए। (उत्तर सीमा लगभग 80 शब्द) [4]

25) क) 'मैट' किस प्रकार का कार्यक्रम है; यह बताते हुए इस पर एक टिप्पणी लिखिए। (उत्तर सीमा लगभग 60 शब्द) [3]

ख) एक रोगी के एक दिन के आठ घंटों के शारीरिक तापमान का रेखीय चार्ट बनाइए। [3]

⊖⊖⊖

https://www.rajasthanboard.com